वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 182 | रविवार 29 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पूर्व मेयर ज्योति सहित तीन कांग्रेसी नेता भाजपा में, हनुमान खींवसर से चुनाव लड़ेंगे

जयपुर. कासं

विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन सोमवार से शुरू हो जाएंगे। भाजपा अब तक 124 और कांग्रेस 95 प्रत्याशी मैदान में उतार चुकी है। बची सीटों पर जीत का गणित बैठाने के लिए दोनों दलों में नेताओं की अदला-बदली का दौर जारी है। कांग्रेस के तीन वरिष्ठ नेता शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। इनमें जयपुर की पूर्व मेयर और कांग्रेस से लोकसभा चुनाव लड़ चुकीं ज्योति खंडेलवाल, तारानगर से पूर्व विधायक और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे चंदनमल बैद के बेटे चंद्रशेखर बैद, पूर्व विधायक नंदलाल पूनिया शामिल हैं। जोधपुर यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रवींद्र सिंह भाटी भी भाजपा से जुड़े हैं। रिटायर्ड आईपीएस केसर सिंह शेखावत और भीम सिंह बीका, राजस्थान धरोहर प्रोन्नति परिषद के उपाध्यक्ष सांवरमल महिया व मंडावा से निर्दलीय उम्मीदवार रहे डॉ. हरिसिंह ने भी भाजपा जॉइन की है। इधर, आरएलपी ने पहली बार आजाद समाज पार्टी (एएसपी) के साथ चुनावी गठबंधन के बाद 10 सीटों और एएसपी ने 6 सीटों पर प्रत्याशी उतार दिए। आरएलपी सुप्रीमो व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल खींवसर से चुनाव लड़ेंगे। आरएलपी ने 10, एएसपी ने 6 और आप ने 21 प्रत्याशियों की घोषणा की है। वैश्य समाज को साधने ज्योति पर दांव संभवः सांगानेर से आशोक लाहोटी का टिकट काटने पर शुक्रवार को वैश्य समाज ने विरोध जताया था। ऐसे में भाजपा डैमेज कंट्रोल के लिए किशनपोल से ज्योति को टिकट दे सकती है। रवींद्र सिंह भाटी को पार्टी शिव से या सीएम की सीट सरदारपुरा से लड़ाने का विकल्प लेकर चल रही है। पूर्व विधायक चंद्रशेखर बैद या नंदलाल को भी टिकट देने पर मंथन कर सकती है। भाजपा प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री के बयान साफ इशारा कर रहे हैं कि यह सरकार गई। उन्होंने ईडी के लिए जिस तरह के शब्दों का प्रयोग किया, यह उनकी बौखलाहट दिखा रहा है।

लोगों को पीएम की गारंटी पर भरोसा : जोशी

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री गारंटियों के नाम पर जनता को गुमराह कर रहे हैं। जनता किसान कर्ज माफी, युवाओं को रोजगार गारंटी का पूछ रहे हैं। लोग पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी मानते हैं। राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि सीएम गारंटियां देकर आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। ईडी के लिए जो भाषा बोल रहे हैं, उचित नहीं है। पेपर लीक में डीपी जारोली ने कहा था कि मेरा कसूर नहीं। ऊपर बैठे लोगों के कहने पर सब किया।

आम आदमी पार्टी ने 21 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए

अब तक 44 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, छबड़ा से रिटायर्ड आईआरएस को टिकट दिया

जयपुर. कासं

आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। आप ने दूसरी सूची में 21 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं। गुरुवार को पहली सूची में 23 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की थी। अब तक आम आदमी पार्टी दो बार में 44 सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी है। बारां जिले के छबड़ा सीट से रिटायर्ड आईआरएस अफसर आरपी मीणा को टिकट दिया है। आप की दूसरी सूची में बीकानेर वेस्ट से मनीष शर्मा, रतनगढ़ से डॉ. संजू बाला, सीकर से झाबर सिंह खीचड़, शाहपुरा से रामेश्वर प्रसाद सैनी, चौमूं से हेमंत कुमार कुमावत, सिविल लाइंस से अर्चित गुप्ता, बस्सी से रामेश्वर प्रसाद जाद को उम्मीदवार बनाया है। बहरोड़ से एडवोकेट हरदान सिंह गुर्जर, रामगढ़ से विश्वेंद्र सिंह, नदबई से रोहिताश चतुर्वेदी, करौली से हीना फिरोज बैग, सवाई माधोपुर से मुकेश भूप्रेमी, खंडार से मनफल बैरवा को टिकट दिया है। मारवाड़ जंक्शन से नरपत सिंह, बाली से लाल सिंह, जोधपुर से रोहित जोशी, सांचौर से रामलाल बिश्नोई, शाहपुरा से पूर्णमल खटीक, पीपलदा से दिलीप कुमार मीणा, छबड़ा से रिटायर्ड आईआरएस आरपी मीणा और खानपुर से दिपेश सोनी को टिकट दिया है।

वर्ल्ड ब्रेन स्ट्रोक डे आज

स्क्रीनिंग बढ़ी, फिर भी गोल्डन टाइम के बाद अस्पताल पहुंच पा रहे ब्रेन स्ट्रोक के मरीज

जयपुर. कासं। ब्रेन स्ट्रोक को लेकर जागरूकता बढ़ने के बावजूद अब भी 70 प्रतिशत लोग स्ट्रोक आने के बाद के साढ़े चार घंटे के गोल्डन टाइम बीतने के बाद हॉस्पिटल पहुंच रहे हैं। नतीजन उनके दिमाग को इतनी क्षति पहुंच चुकी होती है कि वे स्थाई अपंगता के शिकार हो जाते हैं। भारत में हर छह सेकंड में एक व्यक्ति को ब्रेन स्ट्रोक होता है और हर 4 मिनट में एक मौत होती है। वर्ल्ड ब्रेन स्ट्रोक डे पर सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट ने यह जानकारी दी। ब्रेन स्ट्रोक आने पर मरीज को सबसे पहले थ्रंबोलाइसिस ट्रीटमेंट दिया जाता है। सिर्फ 12 प्रतिशत मरीजों को ही थ्रोंबोलाइसिस ट्रीटमेंट मिल पा रहा है। वहीं 70 प्रतिशत मरीज स्ट्रोक के बाद के गोल्डन टाइम, जोकि साढ़े चार घंटे का होता है, इसके बाद आ पाते हैं। स्ट्रोक से मरने वाले 20 प्रतिशत मरीज डायबिटिक डायबिटीज ब्रेन स्ट्रोक के बड़े कारणों में से एक है। लकवाग्रस्त मरीज का समय पर इलाज न होने पर ब्रेन की उम्र 35 से 40 साल तक का अंतर आ जाता है, यानि जो दिक्कते मरीज को वृद्धावस्था में आनी चाहिए, जैसे की याददाश्त एवं सोचने की क्षमता में कमी, बोलने में दिक्कत आदि वो लकवे के तुरंत बाद ही शुरू हो जाती है। स्ट्रोक के इलाज के लिए दवाओं के अलावा मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टॉमी से भी इलाज किया जाता है। खून के थक्के के कारण मस्तिष्क में ब्लॉक हुई खून की नस को खोलने के लिए यह एक प्रभावी नॉन-सर्जिकल तकनीक है। यह प्रक्रिया लकवे का इलाज कर सकती है। मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी प्रक्रिया तब इस्तेमाल की जाती है जब स्ट्रोक आने के 3 से साढ़े चार घंटे (गोल्डन पीरियड) के अंदर भी मरीज अस्पताल नहीं पहुंच पाता, किसी कारणवश मरीज को थक्का हटाने की दवा न दी जा सके या दवाई देने के बाद भी ब्लॉक हुई नस नहीं खुलती।

हर्षोल्लास से मनाया परम पूज्य आचार्य भगवन श्री विद्यासागर महामुनिराज का 77वां अवतरण दिवस व आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी का 90वां अवतरण दिवस

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर । शरद पूर्णिमा के पावन दिवस पर जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्तिभाव से परम पूज्य आचार्य भगवन श्री विद्यासागर महामुनिराज का 77वां अवतरण दिवस व आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी का 90वां अवतरण दिवस मनाया गया। शहर के जैन मंदिरों में इस अवसर पर धार्मिक आयोजन हुए। शहर के बजाज रोड़ स्थित दिगंबर जैन नया मंदिर में प्रातः श्री जी के अभिषेक हुए, तत्पश्चात विशेष शांतिधारा हुई । इसके पश्चात पंडित जयंत जैन शास्त्री के सानिध्य में विशेष पूजन, विधान आयोजित किया गया।

एक संक्षिप्त परिचय

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का जन्मदिन आश्विन शुक्ल पूर्णिमा यानी शरद पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। उनका जन्म तारीख के अनुसार 10 अक्टूबर 1946 को बेलगांव जिले के गांव चिक्कोड़ी में तिथिनुसार शरद पूर्णिमा के दिन हुआ तथा नाम विद्याधर रखा गया। उनकी माता आर्यिका श्री समयमति जी और पिता मुनिश्री मल्लिसागर जी दोनों ही बहुत धार्मिक थे। विद्यासागर जी का घर का नाम पीलू था ।उन्होंने कक्षा नौवीं तक कन्नड़ भाषा में शिक्षा ग्रहण की और 9 वर्ष की उम्र में ही वे धर्म की ओर आकर्षित हो गए और उसी समय आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का संकल्प कर लिया। उन दिनों विद्यासागर जी आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के प्रवचन सुनते रहते थे। इसी प्रकार धर्म ज्ञान की प्राप्ति करके, धर्म

के रास्ते पर अपने चरण बढ़ाते हुए मुनिश्री ने मात्र 22 वर्ष की उम्र में अजमेर (राजस्थान) में 30 जून 1968 को आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज के शिष्यत्व में मुनि दीक्षा ग्रहण की। जैन धर्म के आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज का जन्मदिवस शरद पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। मुनिश्री विद्यासागर जी दिगंबर जैन संत हैं तथा एक महान तपस्वी, अहिंसा, करुणा, दया के प्रणेता और प्रखर कवि संत शिरोमणि हैं। उनका मन जल की तरह निर्मल है तथा हमेशा प्रसन्न और मुस्कराते रहना उनकी खासियत हैं। वे अपनी तपस्या की अग्नि में कर्मों की निर्जरा के लिए हर पल तत्पर रहते हैं। सन्मार्ग प्रदर्शक, धर्म प्रभावक आचार्यश्री में अपने शिष्यों का संवर्द्धन करने का अभूतपूर्व सामर्थ्य है। वे ज्ञानी और सुकोमल छवि वाले होने के कारण उनके चुम्बकीय व्यक्तित्व ने सभी के मन में अध्यात्म की ज्योत जला दी है। वे मानव जाति के ऐसे प्रकाश पुंज हैं, जो धर्म की प्रेरणा देकर जीवन के अंधेरे को दूर करके मोक्ष का मार्ग दिखाने का महान कार्य करते हैं। वे दिगंबर सरोवर के राजहंस हैं। महाराजश्री अन्य कई भाषाओं पर अपनी पकड़ रखते हैं तथा कन्नड़ भाषा में शिक्षण ग्रहण करने के बाद भी अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, कन्नड़ और बंगला भाषाओं का ज्ञान अर्जित करके उन्होंने उन्हीं भाषाओं में लेखन कार्य भी किया हैं । आचार्यश्री हिन्दी, अंग्रेजी आदि 8 भाषाओं के ज्ञाता हैं। विद्यासागर जी का 'मूकमाटी' महाकाव्य सर्वाधिक चर्चित है।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

क्रोध से व्यक्ति की आयु होती है क्षीण

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) की पावन धरा पर चातुर्मासरत श्रमणी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में प्रतिदिन अभिषेक शांतिधारा व धार्मिक आयोजनों का क्रम बना हुआ जिसके अंतर्गत भक्त परिवारों द्वारा शांतिविधान कराया जाता है। जिसका अवसर आज कैलाशचंद मालवीय नगर जयपुर वालों को प्राप्त हुआ। पूज्य माताजी के

मुखारविंद से आज की शांतिधारा का सौभाग्य विनोद कोटा , सुनील वर्धमान सरोवर जयपुर, महेन्द्र निवाई वालों को मिला। पूज्य माताजी ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधन देते हुए कहा कि - एक बार के क्रोध करने से 24 घंटे की आयु क्षीण होती है और 17 हजार श्वेत कोशिकाएँ रक्त रुप परिणत हो जाती है। क्रोध में व्यक्ति अंधा - बहरा हो जाता है उसे यह समझ नहीं आता मैं क्या बोल रहा हूँ किससे बोल रहा हूँ। हम छोटी छोटी सी बातों पर क्रोध करने लगते हैं। पार्श्वनाथ भगवान ने तो कमठ की बडी बडी गलतियों को भी क्षमा का स्थान दिया तो हम भी अपने क्षमा गुण को प्रकट कर सकते हैं। हम प्रतिदिन मान करके मार्दव गुण को , मायाचारी करके आर्जव गुण और लोभ करके शौच गुण को नष्ट करते जा रहे हैं जो कि हमारे संसार को बढ़ाने में कारण है । फिर भी इनके प्रति हमारा समर्पण है लेकिन जो देव शास्त्र गुरू आपको सही राह दिखाने वाले है उनसे आपकी दुरियां है।

जैन सोशल ग्रुप महानगर जेकेजे दिपोत्सव डान्डिया आज रविवार, 29 अक्टूबर को

महावीर स्कूल में होगा भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इन्टरनेशनल फैडरेशन नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में जैन सोशल ग्रुप महानगर जयपुर का 21वा दिपोत्सव डान्डिया कार्यक्रम आज रविवार 29 अक्टूबर को महावीर स्कूल सी-स्कीम जयपुर में शाम 4.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कसेरा किडस फैशन शो, 1008 दीपकों से भव्य आरती, डान्डिया एवं बम्पर हाऊजी का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक जेकेजे ज्वैलर्स है। सह प्रायोजक एआरएल इन्फोटेक, सिटिवाईबस, कोटक महेंद्रा बैंक, सरस डेयरी, श्री राम ग्रुप, चार्ट ग्रुप हैं। साथ ही किडस फैशन शो के मुख्य प्रायोजक श्री कसेरा टैन्ट एवं ईवेंट, एवं प्रायोजक जयपुर चक्की एवं रुंडला एन्टरप्राईजेज है। महानगर ग्रुप अध्यक्ष संजय छाबड़ा एवं सचिव सुनील गंगवाल ने बताया कि जेकेजे दीपोत्सव डांडिया कार्यक्रम के उदघाटनकर्ता जतिन मौसून,(जेकेजे ज्वैलर्स) मुख्य अतिथि प्रमोद पहाड़िया, (ए आर एल इन्फोटेक) समारोह अध्यक्ष श्रीमती रेणु राणा, सम्मानीय अतिथि उमरावमल संघी,(अध्यक्ष, महावीर शिक्षा परिषद) दीप प्रज्जवलनकर्ता सुनील पहाड़िया (वर्धमान ग्रुप), डांडिया रिंग उदघाटनकर्ता अशोक अग्रवाल (श्री राम ग्रुप) सहित अन्य विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम की शोभा बढ़ायेगे। रवि प्रकाश जैन, पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि नरेश यादव, एमडी, चार्ट ग्रुप हाऊजी पुरस्कार के प्रायोजक रहेगें। दिपेश छाबड़ा, मुख्य सयोजक ने बताया कि इस बार सुरक्षा व्यवस्था हेतु पूरे ग्राउंड मे सीसीटीवी रिकॉर्डिंग के साथ साथ सिक्यूरीटी गार्ड भी लगाए गये

हैं। राजीव जैन पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जेएसजी अरिहंत, मेट्रो,जैन सोशल ग्रुप राजधानी, गोल्ड, अपटूडेट, राजस्थान जैन युवा महासभा, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति, आदिनाथ मित्र मण्डल, जयपुर ज्वेलर्स लायनेस क्लब स्वरा, बी सी फाउंडेशन एवं अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संस्थाऐ भी जुड़ी हैं। इस कार्यक्रम में चटपटे स्वादिष्ट व्यंजन बहुत ही उचित दरों पर उपलब्ध रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु डान्डिया सयोजक स्वाति- नरेंद्र जैन, विनीत - मोनिका जैन, महावीर - सुनीता कसेरा, मोनाली - पीयूष सोनी, अमिता - राजकुमार जैन एवं फैशन शो सयोजक अरविंद - दिपीका जैन, विपिन - हेमा जैन, अमित - मोनिका आन्धिका, मनीष - साक्षी जैन के साथ साथ सह सयोजक के रूप में अतीव - दीपिका जैन एवं अनूप - डॉक्टर पूजा जैन जुड़ रहे हैं। कार्यक्रम स्थल पर सेल्फी जोन, 360 डिग्री सेल्फी, स्वादिष्ट फूड जोन आदि की भी व्यवस्था रखी गई है।

वेद ज्ञान

अमृत संदेश

संसार में प्रतिद्वंद्वी रहेंगे ही, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि एक-दूसरे से घृणा की जाए। अहिंसा एक शाश्वत तत्व है। शून्यांश पर हिंसा नहीं, अहिंसा ही है। सह अस्तित्व के लिए अहिंसा अनिवार्य है। दूसरों का अस्तित्व मिटाकर अपना अस्तित्व बनाए रखने की कोशिश अंततः घातक होती है। अहिंसा भारतीय संस्कृति की मुख्य पहचान है। अहिंसा सभी को अभय प्रदान करती है। वह सृजनात्मक है और समृद्धि से युक्त है। आज का सभ्य संसार वातावरण में घुटन और अस्वस्थता का अनुभव कर रहा है। एक ओर कहीं विध्वंसक भौतिकता व्याप्त है तो दूसरी ओर स्वार्थपरक भावनाओं से वह विषाक्त हो रहा है। आज शांति के लिए एक आध्यात्मिक जाग्रति आवश्यक है जो राष्ट्र, समाज और परिवार से हिंसा का अंधकार दूर कर सके। महावीर स्वामी का अमृत संदेश समस्त प्राणी जगत के कुशल-क्षेम का संवाहक है, अपार शांति का अक्षय स्रोत है। जैन धर्म में अहिंसा का बड़ा ही व्यापक अर्थ लगाया जाता है। किसी की हत्या न करना या खून न बहाना ही अहिंसा का उदाहरण नहीं है। मन-वचन-कर्म से किसी को कोई कष्ट न देना अहिंसा है। अहिंसा के अंतर्गत केवल मानव ही नहीं पशु-पक्षी, जीव-जंतु को भी कष्ट नहीं पहुंचाना है। अर्थात अपनी आत्मा के समान ही सबको मानो। अहिंसा का संबंध मनुष्य के हृदय के साथ है, मस्तिष्क के साथ नहीं। जिसके जीवन में अहिंसा का स्वर झंकृत होता है, वह केवल शत्रु को ही प्यार नहीं करता, बल्कि उसका कोई शत्रु होता ही नहीं है। जिसको आत्मा के अस्तित्व में विश्वास है, वही हिंसा का त्यागी हो सकता है। कुछ लोग अहिंसा को कायरता और निर्बलता मानते हैं, किंतु महात्मा गांधी ने अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही इतने बड़े ब्रिटिश साम्राज्य से अपने देश को स्वतंत्र करा लिया था। मनुष्य की तमाम विकृत प्रवृत्तियां हिंसा की ही देन हैं, जिसके कारण शांति का वृक्ष सूख रहा है। प्रेम की फसलों पर स्वार्थ और लोभ का पाला पड़ गया है। सौहार्द की टहनियां टूट कर गिर रही हैं। अहिंसा शुष्क-नीरस-जड़ पदार्थ नहीं, यह वह चेतना है जो आत्मा का विशेष गुण है।

संपादकीय

तेजी से घटता भूजल का स्तर बेहद खतरनाक

भूजल के अतार्किक दोहन को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। इस पर समय रहते रोक लगाने के सुझाव भी दिए जाते रहे हैं। मगर हकीकत यह है कि इस दिशा में अभी तक कोई व्यावहारिक कदम नहीं उठाया जा सका है या जो कदम उठाए भी गए वे कारगर साबित नहीं हो पाए हैं। इसी का परिणाम है कि अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर तेजी से घटा और खतरनाक बिंदु के पार पहुंच गया है। सिंधु और गंगा के इलाकों में भूजल का स्तर जोखिम बिंदु को पार कर चुका है। अब संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि 2025 तक उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में भूजल का गंभीर संकट पैदा हो सकता है। यह क्षेत्र देश के खाद्यान्न का बड़ा हिस्सा पैदा करता है। इसमें हरियाणा और पंजाब धान और गेहूं का सर्वाधिक उत्पादन करते हैं। जाहिर है, इन इलाकों में भूजल का स्तर जोखिम बिंदु से नीचे चला जाएगा, तो खाद्यान्न उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होगा। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय- पर्यावरण और मानव सुरक्षा संस्थान द्वारा प्रकाशित ह्यअंतरसंबद्ध आपदा जोखिम रिपोर्ट 2023ह्ल में कहा गया है कि पंजाब के अठहत्तर फीसद कुएं अतिदोहन का शिकार हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण यह चुनौती और विकट होने की आशंका है। हालांकि नलकूपों के जरिए भूजल के दोहन पर लगाम लगाने के लिए कई जगहों पर कुछ सख्त कदम भी उठाए गए हैं। खासकर पंजाब और हरियाणा में सरकारें किसानों से लगातार अपील करती रही हैं कि वे मौसम से पहले धान की खेती न करें, भूजल का दोहन कम करें। इसके लिए दंड का भी प्रावधान किया गया। मगर जब उसका असर नजर नहीं आया तो समय से पहले धान की खेती न करने वाले यानी भूजल का दोहन रोकने में मदद करने वाले किसानों को प्रोत्साहन राशि की भी घोषणा की गई। हालांकि जिस तरह इन इलाकों में भूजल का स्तर निरंतर नीचे जा रहा है, उसमें ये कदम बहुत प्रभावी साबित नहीं हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार सत्तर फीसद भूजल का इस्तेमाल खेती के लिए किया जाता है। ऐसे में खेती-किसानी के तरीके बदलने पर भी जोर दिया जाता रहा है, जिसमें सिंचाई के लिए कम पानी की खपत हो सके। जीन प्रसंस्कृत बीजों वाली फसलों को अधिक पानी की जरूरत होती है, इसलिए अब जैविक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मगर अधिक उत्पादन के लोभ में किसान जीन प्रसंस्कृत बीजों का मोह त्याग नहीं पा रहे। जलवायु परिवर्तन की वजह से अनेक इलाके सूखे का सामना कर रहे हैं, तो कई इलाकों में अतिवृष्टि देखी जा रही है, जिससे जल संचय के पारंपरिक तरीके विफल साबित हो रहे हैं। इस तरह जमीन से जितना पानी खींचा जा रहा है, उतना नीचे नहीं पहुंचाया जा पा रहा। भूजल का स्तर जोखिम वाले बिंदु के नीचे पहुंच रहा है। हालांकि खेती के अलावा भी बहुत सारी औद्योगिक इकाइयों में भूजल का अंधाधुंध दोहन हो रहा है। उन पर भी काबू करने की मांग उठती रही है। दरअसल, सूखे के समय भूजल बहुत उपयोगी संसाधन साबित होता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

पितृ सत्तात्मक सोच!

भारत में महिलाओं की कम श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) को भारतीय समाज में व्याप्त पितृ सत्तात्मक सोच और भारतीय कारोबारी जगत के पूर्वग्रह का उदाहरण माना जाता है। यह बात हालिया सर्वेक्षणों पर भी लागू होती है जो इशारा करते हैं कि पुरुषों द्वारा परिवार पालने के लिए कमाना ही प्रतिमान है, वहीं महिलाओं पर घर के कामकाज का असंगत दबाव होता है और श्रम से होने वाली आय में से 82 फीसदी पर पुरुषों का कब्जा है। सलाहकार सेवा कंपनी ईवाई इंडिया के हालिया विश्लेषण में ये सभी कारक नजर आए। कंपनी ने 2022-23 में 1,040 सूचीबद्ध कंपनियों में नौकरियों के रुझान का अध्ययन किया। इसके साथ ही अध्ययन ने सार्वजनिक शासन की एक अहम नाकामी की ओर भी संकेत किया जिसके तहत कामकाजी महिलाओं के लिए अनुकूल माहौल नहीं बन पाया। ईवाई इंडिया का अध्ययन दिखाता है कि भारत के कारोबारी जगत में जब हम साधारण लिपिकीय स्तर से कार्यकारी स्तर की ओर बढ़ते हैं तो इसके साथ ही विविधता में भी इजाफा होता है। अध्ययन में पाया गया कि प्रबंधकीय या प्रशासनिक स्तर के 70 लाख स्थायी कर्मचारियों में 23 फीसदी महिलाएं थीं। यह अपने आप में बहुत कम आंकड़ा है क्योंकि 2017-18 से उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन पुरुषों से अधिक है। इससे यह संकेत भी मिलता है कि अर्हता को महिलाओं को काम पर रखने के अवरोध के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। अनुमान के मुताबिक ही सूचना प्रौद्योगिकी और वित्तीय सेवा जैसे अपेक्षाकृत नए ओर प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों में ही पुरुषवाद कम नजर आया। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कर्मचारियों में 34 फीसदी महिलाएं थीं जबकि कामगारों में उनका प्रतिशत 42 था। वहीं वित्तीय सेवा क्षेत्र में यह आंकड़ा क्रमशः 23 और 28 फीसदी था। निचले दायरे के रोजगार की बात करें तो वहां तस्वीर ज्यादा खराब नजर आती है। यहां स्थायी कर्मचारियों में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 11 फीसदी थी। यह आंकड़ा भी केवल इसलिए इतना है क्योंकि टेक्सटाइल क्षेत्र के स्थायी कर्मचारियों में 42 फीसदी महिलाएं हैं। यह दिखाता है कि मातृत्व लाभ, झूला घर, शौचालय और सुरक्षित परिवहन जैसे सहायक ढांचे का किस कदर अभाव है। ये ऐसा निवेश है जो छोटी और मझोली कंपनियां यानी भारतीय उद्यमी जगत की ज्यादातर कंपनियां नहीं करना चाहती हैं क्योंकि वे पहले ही बहुत कम मार्जिन पर कारोबार करती हैं। यह संभव है कि अगर ज्यादातर गैरसूचीबद्ध इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को ध्यान में रखा जाए तो महिलाओं की तादाद में काफी इजाफा हो जाएगा। टेक्सटाइल्स की तरह यहां भी महिलाओं को काम पर रखने का झुकाव अधिक है क्योंकि इस कारोबार में भी असेंबली का काम अधिक होता है और महिलाओं को इसके अनुकूल माना जाता है। परंतु इंजीनियरिंग क्षेत्र की बड़ी कंपनियां जो महिलाओं के अनुकूल निवेश कर सकती हैं, उन्होंने भी इसमें ढिलाई बरती। परंतु ईएसजी यानी पर्यावरण, समाज और संचालन को लेकर तैयार नई अवधारणा के जोर पकड़ने के बाद कई कंपनियों ने महिलाओं की नियुक्ति बढ़ाने का इरादा जताया है। परंतु ढांचागत परिचालन संबंधी कमजोरी जो महिलाओं की नियुक्ति की राह में बाधा बनती है, उसमें इजाफे की एक वजह यह भी है कि भारत महिलाओं के लिए सुरक्षित जगह नहीं है। कंपनियां सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए सार्वजनिक परिवहन प्रणाली या कानून प्रवर्तन के भरोसे नहीं रह सकती हैं।

राजस्थान अस्पताल में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आज रविवार 29 अक्टूबर को

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन के तत्वावधान में होगा आयोजन। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति एवम आदिनाथ मित्र मंडल द्वारा होगा आयोजन। राजस्थान अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टर देंगे निशुल्क परामर्श। होगी अनेक निशुल्क जांच

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति एवम आदिनाथ मित्र मंडल द्वारा जे एल एन मार्ग स्थित राजस्थान अस्पताल में रविवार, 29अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक एक निशुल्क चिकित्सा एवम नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा। रीजन अध्यक्ष राजेश - सीमा बड़जात्या तथा महा सचिव निर्मल - सरला संघी के अनुसार समारोह की अध्यक्षता राजस्थान अस्पताल के चेयरमैन डॉक्टर एस एस अग्रवाल , मुख्य अतिथि मुनीभक्त,प्रमुख समाज सेवी उत्तम जी पांड्या व दीप प्रज्ज्वलन कर्ता भारत वर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय मंत्री महेश काला होंगे। सन्मति ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका एवम अनिल - निशा संघी ने बताया कि शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कैलाश चंद्रा, नाक कान गला विशेषज्ञ डॉक्टर पंकज सिंह, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर जीतेश जैन, डायबिटीज विशेषज्ञ डॉक्टर प्रियाश्री कटेवा, केंसर रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सरजीत सैनी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शिल्पा जेठवानी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर निकिता जैन तथा फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर गरिमा सिंह निशुल्क अपनी सेवा देंगे। आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन व मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि शिविर में निम्न जांच निशुल्क उपलब्ध रहेगी :- बी एम डी, शुगर, लिपिड प्रोफाइल, ई सी जी,फाईब्रो स्कैन, मेमोग्राफी, ओपथाल स्क्रीनिग, पैप स्मियर तथा कान की मशीन द्वारा जांच उपलब्ध रहेगी। सन्मति ग्रुप के कार्याध्यक्ष मनीष-शोभना लोंग्या ने बताया कि शिविर के मुख्य समन्वयक दर्शन - विनिता बाकलीवाल, विनोद - हेमा सोगानी, चक्रेश - पिंकी जैन, राकेश - रेणु संघी, प्रदीप - प्राची बाकलीवाल, कमल - मंजू ठोलिया, चेतन - डॉक्टर अनामिका पापड़ीवाल को समन्वयक तथा साकेत जैन कुमकुम फोटोज, विमल जैन, अशोक सेठी, पंडित विनोद शास्त्री को सयोजक बनाया गया हैं।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति एवं आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर के द्वारा

नि:शुल्क चिकित्सा एवं नैत्र जांच शिविर

रविवार, 29 अक्टूबर 2023 समय: प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक

स्थान: राजस्थान अस्पताल प्रांगण, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर

शिविर में निम्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध रहेंगी...

हृदय रोग विशेषज्ञ	ई.एन.टी. विशेषज्ञ	हड्डी रोग विशेषज्ञ	डायबिटीज विशेषज्ञ
डॉ. कैलाश चन्द्रा	डॉ. पंकज सिंह	डॉ. जितेश जैन	डॉ. प्रियाश्री कटेवा
कैंसर रोग विशेषज्ञ	स्त्री रोग विशेषज्ञ	नेत्र रोग विशेषज्ञ	फिजीयोथेरेपिस्ट
डॉ. सरजीत सेनी	डॉ. शिल्पा गुप्ता जेठवानी	डॉ. नि कि ता। जैन	डॉ. गरिमा सिंह

शिविर में उपलब्ध नि:शुल्क जांचें

बीएमडी	शुगर	लिपिड प्रोफाइल
फाइब्रो स्कैन	कान की मशीन से जांच	ई.सी.जी.
मेमोग्राफी	ओपथाल स्क्रीनिंग	पैप स्मीयर

मुख्य अतिथि श्रीमान उत्तम जी पांड्या मुनीभक्त, प्रमुख समाजसेवी

अध्यक्षता डॉ. एस.एस. अग्रवाल चेयरमैन, राजस्थान हॉस्पिटल

दीप प्रज्ज्वलनकर्ता श्रीमान महेश जी काला राष्ट्रीय मंत्री, भा. दि. जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी

नोट:- 1. जांच करवाने हेतु खाली पेट आना उचित रहेगा।
2.रोगी अपने ईलाज संबंधित पूर्व रिपोर्ट व डॉक्टर की पर्ची साथ लेकर आवें।

KUMKUM PHOTOS
Best Professional Wedding Photographer In Jaipur
Mobile:- 9829054966, 9829741147
WWW.KUMKUMPHOTOSJAIPUR.COM

श्रद्धा और निष्ठा से नवपद की आराधना करने वाला मनवांछित फल की प्राप्त करता है: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत.शाबाश इंडिया

चैन्नई। नवपद ओलीजी की आराधना और साधना करने वाले साधक मनवांछित फल प्राप्त करता है। रविवार साहुकारपेट जैनभवन मे महासती धर्म प्रभा ने आयंबिल ओली के अंतिम दिवस तप अराधना करने वाले साधको के तप की अनूमोदना करतें हुए कहा कि नवपद की आराधना जन्म-जरा-मृत्यु के महा भयंकर रोग को मिटाकर अक्षय सुख प्रदान करती है तथा आराधना से ही बाह्य-अभ्यंतर सुख की प्राप्ति होती है। अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु, दर्शन, ज्ञान,चारित्र और तप की साधना ही नवपद ओली आराधना का सार है। यह आराधना आत्मिक एवं शारीरिक आरोग्य बढ़ाती है और कर्मो की निर्जरा तथा शारीरिक व्याधि को तो दूर करती ही है मनवांछित फल भी प्रदान करती है।साध्वी स्नेहप्रभा ने श्री मद उत्तराध्यय सूत्र विवेचन करतें हुए कहा कि ज्ञान आत्मा के अवगुण को दूर करता है।किसी की भी निंदा वक्ता नहीं करता है। जो व्यक्ति निंदा वक्ता करता है वो ज्ञानवान नहीं वह अज्ञानी है।सच्चा ज्ञानी किसी मे दोष नहीं देखता वह गुण देखता है। श्री एस. जैन संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया नवपद ओली के अंतिम दिसव नो दिनों तक आयंबिल करने वाले तपस्वीयो का साहुकारपेट श्री एस.एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी शम्भूसिंह कावडिया, महावीर कोठारी,सुभाषचन्द काकलिया, पृथ्वीराज वाघरेचा, जवंरीलाल कटारिया,विजयराज दुग्गड़, उत्तम नाहर मंत्री सज्जनराज सुराणा आदि ने आयंबिल तप तपस्यार्थी के तप की अनूमोदना करते सभी का बहूमान और समान किया गया।

78 वें अवतरण दिवस पर विशेष

विश्ववन्दनीय आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज को, वीर, बुद्ध, विष्णु, योगेश्वर...

इंजिनियर अरुण कुमार जैन

जग को पल -पल देने वाले,
इस युग के श्री राम,
वीर, बुद्ध, विष्णु, योगेश्वर शत-शत तुम्हें प्रणाम.
अर्द्ध सदी से देते आये, संयम, तप, अनुराग,
दर्शन कर ही मिलता सबको, सदाचार विश्वास.
हथकरधा से वंचित जन को स्वावलंबन सिखलाया,
सदाचार, सुख, शांति मन में,
सदपथ चलना आया.
जेलों के कैदी भी हर्षित, ज्ञान, शांति, धन पाया,
उनके आश्रित भी नतमस्तक, नव जीवन अब आया.
गोवंशो को गौशाला में, करुणा, जीवन मिलता,
शुद्ध, सात्विक दुग्ध, औषधि का वर संग विकसता.
शांतिधारा, पूणार्यु ने नवआभा बिखरायी,
पूर्ण स्वास्थ्य,आनंद,शांति की, सुरभि हमने पायी.
एक सहस्त्र जीवंत तीर्थ हैं, प्रेरक जन- जन मन को,
समय,योग, प्रमाण,अभय,
प्रणम्य, वीर जीवन को.
नव शशि,रवि प्रतिभास्थली से,
और सितारे प्यारे,
बेटी को वरदान मिला है,
बढ़ती जाती आगे.
सहस्त्रकूट,नंदीश्वर,चौबीसी,
इस वसुधा पर अब हैं,
युगों-युगों तक तप,त्याग, साधना, के ये इनसंबल हैं.
'मूकमाटी' से आकिंचन
माटी ने गौरव पाया,
तृप्तिसुधा पा दिव्यशिखर पर,
स्वर्णकलश जो आया.
शरदपूर्णिमा गौरवशाली,
अवतरणतिथि कहलायी,
जिस वसुधा ने पदरज पायी,
तीर्थ बनी मुस्कायी.
कर,पग,नयन, अधर सब देते,
चितवन, वाणी देती,
विश्ववंद्य, युगद्दष्टा, विद्यासागर की जय कहती.
कोटि नमन,वंदन वसुधा के,
धरा, गगन, जलचर के,
सत्य,अहिंसा, सदाचार से,
विश्व विजय जो करते.

कोटिशः नमोस्तु पूज्य श्री ससंघ
अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद.
मोबाइल 7999469175

मनीष मेहता ने राज्यपाल कलराज मिश्र से भेंट की

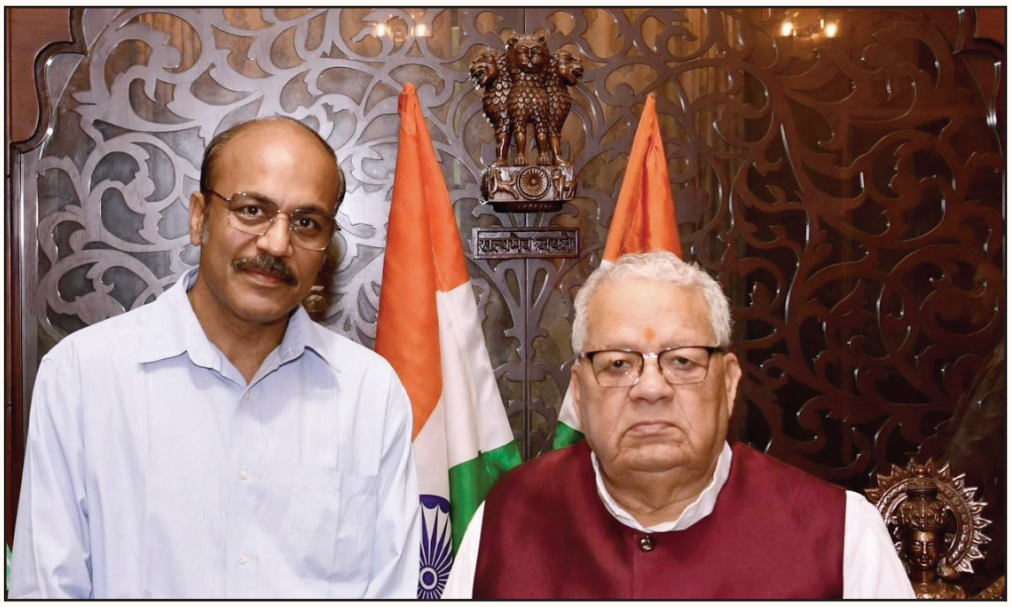

जयपुर. शाबाश इंडिया। IEES के संस्थापक तथा श्रमण संस्कृति बोर्ड राजस्थान के सदस्य मनीष मेहता ने राजस्थान के राज्यपाल महामहिम कलराज मिश्र से भेट की ।इस अवसर पर उनको IEES स्कालरशिप कार्यक्रम की जानकारी दी तथा उनका आशीर्वाद व मार्गदर्शन प्राप्त किया।

परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी के अवरतण दिवस व शरद पूर्णिमा की हार्दिक बधाई

शिव कुमार अग्रवाल
9414889892
मनन गर्ग
9461558762

गौ मुखी

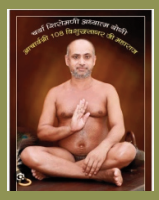

चर्या शिरोमणि आचार्य
श्री विशुद्ध सागर जी महाराज
की असीम अनुकम्पा से

गौमुखी ब्राण्ड

शुद्ध सरसों तेल

जहां शुद्धता हमारी पहचान है
वहीं आपका विश्वास है

गोविन्द उद्योग

दत्तवास मोड़, दत्तवास जिला टोंक (राज.)

उपलब्ध
विवेक डिपार्टमेंटल स्टोर
पुरानी सब्जी मंडी, निवाई
सम्पर्क:- 9530275384, 9079680112, 7737394073

सम्बंधित फर्म
गोविंद नारायण
गुलाब चंद
एफ-17 निवाई कृषि मंडी

युग श्रेष्ठ संत शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी महाराज

विजय धुर्रा, संयोजक मध्यप्रदेश महासभा

शरद पूर्णिमा अवतरण दिवस पर विशेष आलेख

आज शरद पूर्णिमा का पावन दिवस है वैसे तो ये रात बहुत विशेष होती है क्योंकि इसकी चांदनी का आंनद मन को मोह लेता है लेकिन इस दिन से एक और विशेषता जुड़ी है इस युग के महान संत परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज का ये अवतरण दिवस भी है जो देशभर के जैन समाज के लिए बहुत विशेष दिन हो जाता है वैसे तो आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के संघ में जन्म दिन पर किसी भी तरह के आयोजनों से परहेज करते हैं लेकिन भक्तो की आस्था अपने को नहीं रोक पाते हैं।इस युग का सौभाग्य है कि इस युग में आचार्य श्री जन्मे और हम सब का सौभाग्य है कि हम उनके युग में पैदा हुए श्रमण संस्कृति जिनकी आभा से दीपती मान है ऐसे युग श्रेष्ठ संत शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी महाराज ने आचार्य ज्ञानसागरजी महाराज से 30 जून, 1968 में अजमेर में मुनि दीक्षा ली। उन्हें आचार्य पद आचार्य ज्ञानसागरजी ने 22 नवम्बर, 1972 में दिया।चरित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर महाराज के उपदेशामृत ने बचपन में विरक्ति के बीज बोए और आजीवन ब्रह्मचर्यव्रत आचार्यश्री देशभूषणजी महाराज से ग्रहण किया। आचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज से शिक्षा और दीक्षा प्राप्त की। आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज को जहां प्राकृत, अपभ्रंश, संस्कृत, मराठी, हिन्दी, कन्नड़ तथा अंग्रेजी आदि अनेक भाषाओं में प्रकाण्ड पाण्डित्य प्राप्त है, वहीं दर्शन, इतिहास, संस्कृति व्याकरण, साहित्य मनोविज्ञान और योग आदि विधाओं में भी अनुपम वैदुष्य उपलब्ध है।

आपने भव्य जीवों के आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त किया

परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज में आशु-कवित्व तथापि प्रायुत्पन्न अत्यंत प्रशष्य गुण है। आपने भव्य जीवों के आत्मकल्याण हेतु अनेक ग्रन्थों का प्रणयन किया है। आपके द्वारा लिखिक मूक माटी (महाकाव्य) आज देशभर में विद्वत्समाज और साहित्यकारों के बीच बहुचर्चित है। इसके अतिरिक्त चेतना के गहराव में (सचित्र प्रतिनिधि काव्य संकलन) तथा नर्मदा का नरम कंकर, डूबो मत/लगाओ डुबकी, तोता क्यों रोता ? काव्य संग्रह भी हैं। संस्कृत में श्रमणशकतकम्, निरंजनशकतम्, भावनाशंकतम्, परीषहजयशतकम् और सुनीतिशकतम् और शारदा-स्तुति सृजित की है एवं इन्हीं पांच शतकों का हिन्दी पद्यानुवाद तथा राष्ट्रभाषा में निजानुभवशतक, मुक्तकशतक, स्तुतिशतक, सर्वोदयशतक तथा पूर्णादयाशतक मौलिक रचित है। इनके अतिरिक्त आपने समयसार, प्रवचनसार, नियमसार, द्वादशानुप्रेक्षा, पंचास्तिकाय, अष्टापाहुड, रत्नकरण्डक, श्रावकचार, समणसुत, देवागम-स्त्रोत, स्वयंभूस्त्रोत, इष्टोपदेश, समाधितंत्र., नंदीश्वरभक्ति, द्रव्यसंग्रह, समयसार-कलश तथा गोमटेश-शुद्धि आदि का सरल एवं सुबोध पद्यानुवाद भी किया है। लगभग 25 प्रवचन संग्रहों के अतिरिक्त अनेक स्फुट काव्य संस्कृत, हिन्दी, प्राकृत, अंग्रेजी तथा कन्नड़ आदि भाषाओं में लिखे हैं। आपके द्वारा अभी तक लगभग 450 से अधिक मुनि-आर्यिका, ऐलक एवं क्षुल्लक साधुजन दीक्षित हैं। आपके ही सान्निध्य में 20वीं शताब्दी में जहां षट्खण्डागम तथा कषायपाहुड़ ग्रन्थ की वाचना प्रारम्भ हुई, वहीं आत्मकल्याण के इच्छुक लगभग 22 साधु/साधकों ने आपके निर्यापकत्व में आगामानुसार रीति में सल्लेखनापूर्वक समाधिमरण को प्राप्त किया।

कठिन तपस्या के साथ जगत कल्याण की है प्रवल भावना

आचार्यश्री न केवल तपस्वी हैं, बल्कि दार्शनिक एवं समाज सुधारक भी हैं। शिक्षा, स्त्री शिक्षा, पशु कल्याण तथा पर्यावरण के क्षेत्र में उनकी प्रेरणा से कितनी ही परियोजनाएं चल रही हैं। "जबलपुर (मध्यप्रदेश) स्थित प्रतिभास्थली स्त्री शिक्षा का एक अग्रणी संस्थान है या यूं कहें एवं आन्दोलन है। ज्ञातव्य हो "ज्ञानपीठ पुरस्कार संज्ञक भारतीय साहित्य का श्रेष्ठ पुरस्कार प्रदाता भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली द्वारा "मूकमाटी महाकाव्य का हिन्दी व उसके मराठी, बंगला, कन्नड़ अनुवादों के प्रकाशन उपरान्त अंग्रेजी भाषा में अनुवादित "मूकमाटी कृति द सायलेंट अर्थ का भी प्रकाशन किया गया। आचार्य श्री ने इंडिया नहीं भारत का नारा दिया और आप हम सभी गौरवान्वित हैं कि आज भारत के राष्ट्रपति भी

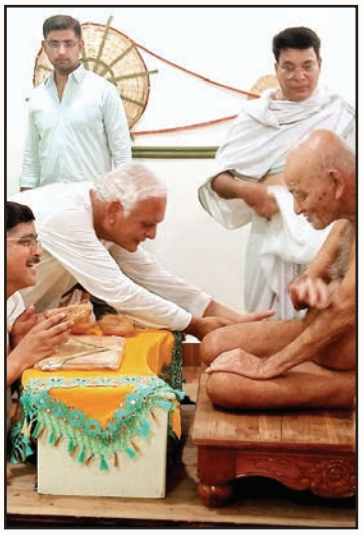

भारत के नाम से दुनिया भर के नेताओ को आमंत्रित कर रही है इसके साथ ही हस्तकरघा की प्रेरणा देकर नये नवेले उच्च शिक्षित युवाओं को हस्तकरघा की प्रेरणा से देशभर में हजारों लोगों को रोजगार देने के साथ ही अहिंसक वस्त्रो की एक ऐसी श्रृंखला सामने रखी जो सभी वर्गों के साथ युवाओं को भी अपनी ओर आकर्षित कर रही है इसके साथ ही बेटीयो को संस्कारित शिक्षा देने के लिए देश के कई प्रान्तों में प्रतिभा स्थलीयो की स्थापना की गई जैसे अनेक प्रकल्पो पर कार्य किया जा रहा है आइये ऐसे महान संत के चरणों में आज के पावन दिवस पर हम सब अपना नमन नमोस्तु निवेदित करते हैं ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

इतिहास-सेमीनार का आयोजन...

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी. जी. महाविद्यालय में इतिहास परिषद के तत्वावधान में शनिवार दिनांक 28 अक्टूबर को सेमीनार आयोजित की गई। सेमीनार में मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय, बांसवाड़ा के पूर्व प्राचार्य डॉ. एम. एल. शर्मा रहे समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा द्वारा की गई। सेमीनार के समन्वयक महाविद्यालय के इतिहास विषय के विभागाध्यक्ष अनूप आर्य एवं भूगोल विषय के सहायक आचार्य गिरीश बैरवा थे। तथा इतिहास विषय के सहायक आचार्य कमलकिशोर द्वारा पधारे हुए समस्त अतिथियों का स्वागत किया गया। सेमीनार के अन्तर्गत एम. ए. पूर्वार्द्ध (इतिहास) एम. ए. फाइनल (इतिहास) एव बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं द्वारा 13 भिन्न - भिन्न विषयों जैसे अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम, औद्योगिक क्रान्ति, राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के नायक-महाराणा प्रताप व छत्रपति शिवाजी तथा प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता पर पत्रवाचन प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. एम.एल. शर्मा ने अपने उद्बोधन में राष्ट्र के निर्माण में इतिहास विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगर किसी राष्ट्र को समाप्त करना है तो उस राष्ट्र के इतिहास को मिटा दो । उन्होनें छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, स्वामी दयानन्द सरस्वती, स्वामी विवेकानन्द, राजा राममोहन राय, रानी लक्ष्मी बाई, पन्नाधाय, रानी पदमिनी रानी कर्मावती आदि के जीवन से प्रेरणा लेते हुए हमें अपने व्यक्तित्व का निर्माण करना चाहिए। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने सभी छात्राओं से कहा कि इतिहास के बिना वर्तमान एवं भविष्य का निर्माण अकल्पनीय है। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्राचार्य ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया। अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा नें सभी अतिथियों एवं संकाय सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभागाध्यक्ष अनूप आर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कला संकाय की सभी छात्राओं सहित समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय साइंस विजार्ड एवं मैथ विजार्ड प्रतियोगिता संपन्न

खारीबेरी। भारती फाउंडेशन एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ब्लॉक स्तरीय साइंस विजार्ड एवं मैथ विजार्ड प्रतियोगिता संपन्न हुई ।भारती फाउंडेशन प्रतिनिधि पुनीत भटनागर ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खारीबेरी में आयोजित साइंस विजार्ड कक्षा 8 के लिये व मेथ विजार्ड कक्षा 5 के लिये ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय स्तर पर रहे विजेताओं में से कुल 134 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सीबीईओ-बालेसर श्री गायड़ सिंह जी, खारीबेरी, बालेसर पी ई ई ओ श्रीमती उषा छंगाणी, द्वारा सभी विध्यार्थीयों को प्रमाण पत्र व पुरुस्कार प्रदान किये गये। भारती फाउंडेशन से संदीप सारडा, क्षेत्रीय प्रमुख, सुभाष यादव, जिला समन्वयक, प्रदीप उपाध्याय व रामवतार प्रजापत के मुख्य आतिथ्य में प्रतियोगिता आयोजित हुई । प्रतियोगिता में बालेसर ब्लॉक के 63 राजकीय विद्यालयों के साइंस विजार्ड में एवं 71 राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने मैथ विजार्ड में भाग लिया । ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता साइंस विजार्ड में प्रथम स्थान पर पवन रा उ प्रा वि भोम्भूओ की ढाणी, रा उ मा वि, दूसरे स्थान पर ज्योति कंवर, रा उ मा वि भानगढ़, तृतीय स्थान पर अजीत कंवर शहीद सगत सिंह रा उ प्रा वि बेलवा मोहिली एवं दो सांत्वना पुरस्कार जीतेन्द्र रा उ मा वि उटम्बर, मैना S D D रा उ मा वि बेलवा राणाजी से रहे। मेथ्स विजार्ड में प्रथम स्थान पर चंपा राम, शहीद सगत सिंह रा उ प्रा वि बेलवा मोहिली, दूसरे स्थान पर सीमा, रा उ मा वि जियाबेरी, तृतीय स्थान पर अर्चना रा उ मा वि बावरली एवं दो सांत्वना पुरस्कार मोतीलाल रा उ प्रा वि बेलदारो की ढाणी खुडियाला, दुर्गा कंवर, रा उ प्रा वि कोज सिंह की ढाणी से रहे ।

भगवान शांतिनाथ की स्वर्ण कलशों से शांतिधारा

शांतिनाथ मंडल विधान की पूजा। भगवान शांतिनाथ की 108 दीपको से महाआरती

राजेश अरिहन्त. शाबाश इंडिया

सांखना, टोंक। श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सांखना में 450 वाँ वार्षिक उत्सव एवं दो दिवसीय वार्षिक मेला कार्यक्रम के तहत शनिवार को विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रकाश सोनी एवं मंत्री प्यार चंद जैन ने बताया कि प्रातः भगवान शांतिनाथ का अभिषेक कर स्वर्ण कलशों एवं रजत कलशों से शांति धारा की गई शांतिधारा का सौभाग्य शिखर चंद पाटोदी विमल कुमार पाटौदी बाबूलाल प्रकाश सोनी प्रेमचंद महावीर प्रसाद को मिला। दोपहर में शांति मंडल विधान की पूजा का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम भगवान शान्तिनाथ के समक्ष दीप प्रज्वलन कर विधान की क्रियाएं की गई जिसमे मंडप शुद्धि, आचार्य निमन्त्रण, सकली करण,मंगल कलश स्थापना की गई पंडित मनोज शास्त्री एवं पंडित अंकित शास्त्री के सानिध्य में विधान की पूजा शुरू की गई विधान में पारस गर्ग राजेंद्र सोनी हर्ष सोनी प्रेमचंद महावीर प्रसाद बाबूलाल कैलाश चंद प्रदीप चाँदवाड रानी सोनी रेशम देवी सुनीता जैन समता देवी ममता जैन रेखा देवी आदि ने सामूहिक रूप से विधान में 128 अर्ध्य एवं श्रीफल चढ़ाए इस अवसर पर क्षेत्रपाल बाबा की भव्य झांकी सजाई गई श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पूजा कर भगवान शांति नाथ एवं क्षेत्रपाल बाबा की भक्ति में नृत्य प्रस्तुत किए। समाज के राजेश अरिहन्त ने बताया कि सायंकाल भगवान शांतिनाथ की महाआरती की गई जिसमें सोने चांदी के दीपको सहित 108 दीपको से भगवान की आरती की गई इस दौरान शान्तिनाथ जैन गुरुकुल के बालकों ने भगवान की आरती प्रस्तुत की आरती के पश्चात भक्तामर परिवार टोड़ा के द्वारा रिद्धि मत्रों के उच्चारण के साथ रजत के 48 दीपको से भक्तामर स्त्रोत के पाठ का आयोजन किया गया रात्रि को सांस्कृतिक कार्यक्रम में संगीतकार दुर्गा लाल भारती एवं टोडा, जयपुर,से पधारे श्रद्धालुओ के द्वारा सुंदर भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष मनीष बज ने बताया कि रविवार को सांखना ग्राम में श्री जी की विशाल रथयात्रा निकाली जायेगी एवं श्री जी के वार्षिक कलशाभिषेक किए जाएंगे इस अवसर पर कार्यक्रम कीअध्यक्षता भागचंद जैन टोंगिया निवाई वाले एवं झंडारोहण सुरेश कुमार सर्राफ नीरू सर्राफ करेंगे कार्यक्रम में सरोज बंसल जिला प्रमुख टोंक पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता लक्ष्मी देवी जैन पूर्व सभापति टोंक टोडारायसिंह नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन संत कुमार जैन नरेश बंसल आदि अतिथियों के रूप में पधारेंगे साखना जाने के लिए टोंक से आदिनाथ नसिया अमीरगंज, बमोर गेट पुरानी टोंक से समाज द्वारा निशुल्क बसो की व्यवस्था की गई है।

विद्वत्परिषद् की छह दिवसीय तत्वार्थसूत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री टोडरमल स्मारक भवन में आयोजित आध्यात्मिक शिक्षण शिविर के अवसर पर श्री अ.भा. दिग.जैन विद्वत्परिषद् की दि.- 22 से 27 अक्टूबर -23 तक तत्वार्थसूत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन परिचर्चा सत्र के साथ पण्डित अभयकुमार जैन देवलाली (राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष) की अध्यक्षता एवं जस्टिस एन.के. जैन जयपुर (न्यास अध्यक्ष) के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। मंगलाचरण पण्डित जिनेन्द्र जैन शास्त्री जयपुर ने किया। पांच सत्रों में उत्पन्न प्रश्नों के आधार पर विद्वानों में आपसी परिचर्चा की गई जिससे एक ही विषय के अनेक पक्षों पर विस्तार से विमर्श हुआ। मंच पर परिचर्चा में करणानुयोग विशेषज्ञ पंडित विकास जैन इन्दौर, पण्डित अरुणकुमार जैन व्याकरणाचार्य जयपुर, डॉ. दीपक जैन जयपुर एवं पण्डित परमात्म प्रकाश भारिल्ल जयपुर उपस्थित रहे। सभाध्यक्ष पण्डित अभयकुमार जैन ने प्रत्येक शंका समाधान को परिचर्चा के बाद निष्कर्ष तक पहुंचाया। इनके अलावा पांच दिनों में बीस विद्वानों ने अपने आलेख पढ़े एवं पांच अध्यक्ष विद्वानों ने विषय पर विस्तृत स्पष्टीकरण दिया जिसमें प्रो. वीरसागर जैन दिल्ली, प्रो. श्रीयांस सिंघई जयपुर, डॉ. शान्तिकुमार पाटिल प्राचार्य, डॉ. मनीष जैन मेरठ, श्रीमती शुद्धात्मप्रभा टडैया मुम्बई, डॉ.तपीश जैन उदयपुर, पण्डित पीयूष जैन जयपुर, पण्डित सुनील शास्त्री राजकोट, जिनेश शास्त्री मुम्बई, संयम शास्त्री नागपुर, सोनू शास्त्री दिल्ली इसरो, मंथन शास्त्री मुम्बई, जिनेश शास्त्री मुम्बई, समर्थ शास्त्री विदिशा, स्वानुभव शास्त्री खनियांधाना, अ.प्रो. विपाशा जैन जयपुर, अ. प्रो. अनिल शास्त्री जयपुर, श्रीमती ज्योति सेठी जयपुर, मंथन शास्त्री मुम्बई, पवित्र शास्त्री आगरा, जिनकुमार शास्त्री उप प्राचार्य,जयपुर, अमन शास्त्री लोनी, नयन शास्त्री वरायठा, शाश्वत शास्त्री भोपाल, संयम शास्त्री खनियांधाना, सुष्मित शास्त्री सेमारी ने अध्यक्ष/ आलेख/ संचालन आदि के माध्यम से विषयवसवतु पर प्रकाश डाला। तत्वार्थसूत्र वर्ष संयोजक डॉ. प्रवीणकुमार जैन ढाई द्वीप इन्दौर एवं संगोष्ठी संयोजक डॉ. ऋषभ जैन दिल्ली थे। संगठन मंत्री डॉ. अरविन्द कुमार जैन ने संगठन, तत्वार्थसूत्र योजना एवं तत्वार्थसूत्र सौभाग्य योजना पर प्रकाश डाला। तत्वार्थसूत्र सौभाग्य योजना में तत्वार्थसूत्र वर्ष में होने वाली गतिविधियों एवं विद्वत्परिषद् की भावी योजनाओं की क्रियान्विति हेतु सहयोगी- 5100/- संरक्षक-11 हजार, परम संरक्षक - 21 हजार, शिरोमणि संरक्षक- 51 हजार एवं परम शिरोमणि संरक्षक - 1 लाख रुपये की राशि निर्धारित की गई। सभी संरक्षक विद्वत्परिषद् के स्थाई रहेगे। महामंत्री डॉ. अखिल बंसल ने टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, आगन्तुक समस्त विद्वानों, संयोजकों एवं साधर्मियों का आभार व्यक्त किया। इस सत्र का संचालन डॉ. ऋषभ जैन दिल्ली ने किया। इस अवसर पर मुमुक्षु विद्यालय/महाविद्यालय के सैकडों छात्र- छात्रायें एवं साधर्मीजन लाभान्वित हुए। विद्वत्परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के डॉ. विकास जैन वानपुर उपाध्यक्ष- गणतंत्र जैन आगरा प्रभारीद्वय उत्तरप्रदेश, डॉ. बाहुबली जैन उपाध्यक्ष प्रभारी कर्नाटक, उमापति जैन मंत्री प्रभारी तमिलनाडु, भरतेश भोसगे कर्नाटक, आशीष जैन टीकमगढ़, अजित जैन अलवर, संजय सेठी जयपुर आदि अनेक विशिष्ट विद्वानों की सहभागिता रही। रात्रि में विद्वत्परिषद् के न्यास मंडल एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक का आयोजन जस्टिस एन.के.जैन की अध्यक्षता में की गई जिसमें पूर्व कार्यों की अनुमोदना एवं अनेक नये निर्णय लिए गये। - **डॉ.अखिल बंसल, महामंत्री**

छोटे व्यापारियों को बढावा देने के उद्देश्य से 3 नवम्बर से लग रही है, ''पहल एग्जिबिशन''

जयपुर. शाबाश इंडिया

एशिया की सबसे बड़ी कॉलोनी मानसरोवर के रिहाइशी इलाके, सेक्टर 10, साकेत हॉस्पिटल के पास स्थित सामुदायिक केन्द्र के वातानुकूलित हाल में दुकानदारों और महिला उद्यमियों को बढावा देने के उद्देश्य से एक मंच प्रदान करने हेतु आगामी 3-4-5 नवम्बर को पहल एग्जिबिशन लगाई जा रही है। गृह सज्जा का सामान, बेडशीट, लेडीज, जेन्ट्स और बच्चों की ड्रेसेज, दिपावली सजावटी सामान, बर्तन क्रॉकरी, फूड आइटम, साड़ी, सलवार सूट, विंटर कलेक्शन, बेकरी उत्पाद, फर्निचर, इलेक्ट्रिक आइटम आदि की स्टॉल लगाई जाएगी। स्टॉल लगाने वाले लघु उद्योग, व्यापरियों और महिला उद्यमियों ,स्टाल लगाने के लिये 7976055467, 9460762728 संपर्क करें।

सर्वज्ञ भारिल्ल ''युवा सोच पुरस्कार-2023'' से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। युवा उद्यमी व मोटिवेशनल स्पीकर सर्वज्ञ भारिल्ल को युवा सोच पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारिल्ल को यह पुरस्कार युवा सोच आर्मी व जीएनआईओटी इंस्टीट्यूट नोएडा की ओर से आयोजित समारोह में रिटायर्ड मेजर जनरल पीके सहगल ने प्रदान किया। इस मौके पर जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह व चैरी भारिल्ल भी मौजूद रही। समारोह में भारिल्ल के अलावा सामाजिक, साहित्य, खेल, शिक्षा, कला संस्कृति विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी व अन्य क्षेत्रों में नवाचार करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाली महान विभूतियों को भी सम्मानित किया गया। इस मोके पर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि ''युवा सोच'' 2023 सम्मान युवाओं के योगदान को मान्यता देने का एक गर्वशील कदम है, जिसमें वह अपने क्षेत्र में अनुभवी और प्रेरणादायक कार्यों के लिए पहचान बना चुके हैं। पुरस्कार लेने के बाद भारिल्ल ने कहा कि मैं धर्म, सेवा और संकल्प से युवाओं को प्रेरित करता हूँ, मुझे अपने दादा से संस्कार और पिता से समाज में बड़ा परिवर्तन लाने की प्रेरणा मिली है। जरूरी है कि युवा अध्यात्म से जुड़े, संस्कारित हो, व्यसनों में ना पड़े, अन्यथा युवा के पथभ्रष्ट होने से देश का पतन हो जाएगा। भारत में युवाओं की तादाद दुनिया में सबसे ज्यादा है हम सभी को ''विश्व गुरु भारत'' का सपना जीना होगा, तभी हम मिलकर देश को नयी ऊँचाइयों की ओर ले जाएंगे। गौरतलब है कि सर्वज्ञ भारिल्ल के प्रेरणादायी वक्तव्यों को सोशल मीडिया पर खासतौर से इंस्टाग्राम पर करोड़ों बार देखा गया है।

रविवार को तप अभिनन्दन समारोह में साध्वी संयम सुधा को सम्मानित किया जायेगी

केसर छांटकर तपस्वी साध्वी संयम सुधा के 45 उपवास के तप की गई श्रध्दांलूओ अनूमोदना अहिंसा भवन में...

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। अहिंसा भवन शास्त्रीनगर में साध्वी संयम सुधा के उग्र तपस्या 45 उपवास के उपल्क्षय में तप अभिनन्दन समारोह से पूर्व शनिवार को विशाल स्थर पर प्रखंर वक्ता डॉ प्रिती सुधा महासती उमराव कंवर,साध्वी मधु सुधा के सानिध्य मे रविवार को दोहपर शास्त्री नगर मे अहिंसा भवन के मुख्य मार्ग दर्शक अशोक पोखरना,संरक्षक मीठालाल सिंघवी अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल,हेमन्त आंचलिया,कुशल सिंह बूलिया,सरदार सिंह कावड़िया,रिखबचन्द पीपाड़ा,संदीप छाजेड़, जसंवतसिंह डागलिया एवं चंदन बाला महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल,मंजू पोखरना, संजूलता बाबेल,उमा आंचलिया, रजनी सिंघवी,सुनीता झामड़, सरोज महता,मंजू बाफना आदि के साथ सैकड़ों श्रध्दांलूओ ने तपस्वी साध्वी संयम सुधा एवं श्रध्दांलूओ पर केसर छांटकर तप की अनूमोदना के साथ मंगल गीत गाकर तपस्वनी साध्वी को बधाई दी गई। प्रवक्ता निलिष्का जैन बताया की रविवार को प्रातःकाल 9:00 बजे अहिंसा भवन मे साध्वी संयम सुधा के 45 उपवास करने तप अभिन्नदन समारोह मे गुणगान और तप त्याग के साथ साध्वी संयम सुधा का साध्वी प्रिती सुधा के सानिध्य में देशभर के अनेक गणमान्य अतिथियों के साथ अखिल भारती राष्ट्रीय जैन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष आनंद मल छल्लाणी मंत्री दिनेश भलगट नवरतनमल गुंदेचा आदि पदाधिकारियों और सम्पूर्ण शहर के श्रध्दांलूओ की उपस्थिति में साध्वी का अभिनन्दन किया जाएगा।

डांडिया फीवर-2023 में झूमे जयपुराइट्स

मिस इंडिया 2023 की फाइनलिस्ट रहीं सनाया खान ने दिए विजेताओं को पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया

मौका नवरात्रि का हो और हाथों में डांडिया हो और सतरंगी विद्युत प्रकाश में डीजे पर संगीत बजने लगे तो कदम अपने आप ही थिरकने लगते हैं। सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरोवाली, मैं तो आई एक अंजाने जहां से समेत बॉलीवुड सांग ढोली तारो ढोल बाजे आदि गीत बजते रहे और युवक-युवतियां झूमकर डांडिया नृत्य करते रहे। यह नजारा था जगतपुरा, एयरपोर्ट रोड स्थित वरमाला रिसोर्ट एंड बैंक्वट में आयोजित दो दिवसीय डांडिया फीवर-2023 का जिसका आयोजन गोधा पब्लिसिटी और एसडी इवेंट्स के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। कार्यक्रम में डीजे सैगी और डीजे प्रिंस ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधा। दोनों डीजे ग्रुप्स ने डांडिया पर सभी को झुमाया। समाजसेवी जसवंत सिंह मीना , मुकेश पाराशर, मनीष अग्रवाल और नगर निगम ग्रेटर के वार्ड 115 के पार्षद विनोद शर्मा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे। गोधा पब्लिसिटी के एमडी दीपक गोधा ने बताया कि कार्यक्रम में मिस इंडिया फाइनलिस्ट 2023 रहीं सनाया खान ने बेस्ट डांसर के पुरस्कार से देवांशी पारीक, बेस्ट ड्रेसअप दीपिका शर्मा और बेस्ट डांस के पुरस्कार से हर्षिता शर्मा को नवाजा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन में गोधा पब्लिसिटी के स्टॉफ और एसडी इवेंट्स मैनेजमेंट कंपनी की टीम के गणेश राणा, मुकेश राणा, मनीष राणा, हेमंत राणा, सन्नीजी, स्वाति, हर्षिता, चहल, शुभम एवम संदीप का भी सराहनीय योगदान रहा। मंच संचालन का दायित्व शुभम खंडेलवाल ने बखूबी निभाया। कोकाकोला, प्रेरणा केटरर्स, महादेव घी, विक्रम ग्लासेज, डीएल बिल्डएस्टेट एवम कुसुम कला क्रिएशन कार्यक्रम के प्रायोजक रहे।

बीआरडीस की प्रदर्शनी में दिखी विद्यार्थियों की रचनात्मक व सोच

जयपुर. शाबाश इंडिया

भंवर राठौड़ डिजाइन स्टेडियों के बैनर तले देश की बीआरडीस प्रदर्शनी का चतुर्थ संस्करण शनिवार को झालाना के आरईसी सेंटर में आयोजित हुई। विद्यार्थियों की सोच और क्रिएटिविटी को दिखाती इस प्रदर्शनी में 1200 आर्टवर्क, केनवॉस पर 150, थ्रीडी मॉडल और अन्य उत्पादों का बेहतरीन तरीक से डिस्प्ले किया गया। दिनभर इन डिसप्ले को करीब जयपुर के अलावा पूरे राजस्थान से विभिन्न स्टूडेंट से आकर निहारा। स्टूडियो के संस्थापक व अध्यक्ष डॉ.भंवर राठौड़ ने बताया कि इस डिजाइन हंट के माध्यम से इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने फैशन, इंटीरियर, टेक्सटाइल, ग्राफिक्स, एनिमेशन, फिल्म और वीडियो, टोय एंड गेम्स,जैम एंड ज्वैलरी, इंडस्ट्रियल डिजाइन आदि क्षेत्रों से जुड़े स्टूडेंटस ने अपनी क्रियटिविटी को आर्टवर्क,केनवॉस पर 150, थ्रीडी मॉडल और अन्य पर दर्शाकर अपनी रचनात्मक सोच का प्रदर्शन किया। उन्होंने आगे बताया कि इस हंट प्रदर्शनी का एक ही उद्देश्य है कि छात्रों को उनकी रचनात्मकता और कौशल विकास को स्केचेस और 3डी मॉडल को एक मंच मिले,ताकि वे अपनी कला का प्रदर्षन कर सके। इस अवसर पर स्टूडेंट व अभिभावकों के लिए सेमिनार आयोजित की कई गई, जिससे उन्हें डिजाइन और वास्तुकला के भविष्य के संभावनाओं को समझने में मदद,सफलता व कॉलेजों में प्रवेश कैसे मिले, इसकी जानकारी साझा की गई। उन्होंने बताया कि सुबह से साम तक चली इस प्रदर्शनी को जयपुर के अलावा राजस्थान से करीब दो हजार विद्यार्थियों और अभिभावकों ने देखा। देखने के बाद सभी ने इस तरह की आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों को रचनात्मक सोच निखारने में मदद मिलती हैं। ऐसे आयोजन समय-समय पर होंने चाहिए। उन्होंने यह बताया कि प्रत्येक वर्ष, यह प्रदर्शनी जयपुर, मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, लखनऊ, पुणे, बैंगलोर, कोलकाता, नासिक, और नागपुर में आयोजित हो रही है,जिसे लोगों के द्वारा काफी सराही जा रही है।

शरद पूर्णिमा जागृत रहकर धर्म आराधना से पुण्यार्जन का समयः चेतनाश्रीजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

हमेशा मन में रखे भाव अंतिम स्१ामय में प्राप्त हो सकाम मरण-समीक्षाप्रभाजी म.सा.। रूप रजत विहार में साध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में नवपद आयम्बिल ओली आराधना सम्पन्न

भीलवाड़ा ।जीवन में सोने वाला हमेशा खोता है ओर जागृत रहने वाला सबकुछ प्राप्त कर लेता है। शरद पूर्णिमा की रात भी सोने का नहीं जागृत रहने का समय है। आसमान से चांदनी रात में अमृत बरसता है। इस समय की जाने वाली धर्म आराधना पुण्यदायी ओर सार्थक होती है। ऐसी आराधना तन, मन, धन, आरोग्य सहित सर्व सुख की प्राप्ति के लिए जरूरी है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शनिवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में नवपद ओली आयम्बिल आराधना के अंतिम दिन श्रीपाल-मैना सुंदरी चरित्र का वाचन पूर्ण करते हुए आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि किस तरह श्रीपाल किस तरह अपनी माता ओर नौ पत्नियों के साथ अपने गृहनगर चंपानगरी पहुंचता है तो लोग चकित रह जाते है कि जो बालक पांच वर्ष पूर्व महल छोड़ माता के साथ निकल गया था आज इतने सुख ओर वैभव से परिपूर्ण है। लोग उनकी जयकार करते है। श्रीपाल नगर में मुनि आने पर माता कमलप्रभा व पत्नी मैनासुंदरी के साथ उनके दर्शन के लिए जाता है। मुनिश्री श्रीपाल से कहते है कि जीवन में कर्म भोगने ही पड़ते है। पाप कर्म करने पर मन में यदि प्रसन्नता महसूस हो तो अंतराय कर्म का बंध होता है। मजबूरी में पाप कर्म करना पड़े तो पछतावे का भाव होना चाहिए।

शुभकर्म में प्रसन्न होने पर वह सुखदायी होता है। संतों की अविनय असाधना कभी नहीं करनी चाहिए। इसके बाद श्रीपाल, मैनासुंदरी व कमलप्रभा संयम जीवन स्वीकार कर लेते है। संयम जीवन की पालना करके तीनों नंवे देवलोक में चले जाते है। ये तीनों नवे भवे में मोक्ष चले जाएंगे। धर्मसभा में उत्तराध्ययन सूत्र की 21 दिवसीय आराधना के पांचवें दिन तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने पांचवें अध्याय अकाम मरणीय की चर्चा करते हुए कहा कि अज्ञानतावश कई लोग संथारे को भी आत्महत्या बता देते है जबकि संथारा स्वीकार करते समय मन में शांति के भाव होते है ओर परिवार की आज्ञा से संथारा ग्रहण कराया जाता है। इसके विपरीत आत्महत्या तब की जाती है जब मन अशांत होता है ओर आत्महत्या करने वाला किसी से पूछकर या आज्ञा लेकर ऐसा कृत्य नहीं करता है। उन्होंने कहा कि संथारे सहित हमारी काया चली जाए तो जन्म-जन्म कम हो जाएंगे ओर हमारा भव भ्रमण मिट जाएगा। कई बार व्यक्ति बीमार होता है ओर स्थिति नाजुक होती है फिर भी वह मोहवश संथारा ग्रहण नहीं कर पाता है न ही परिवार इसके लिए प्रेरणा देता है। साध्वीश्री ने कहा कि अंतिम समय में सकाम मरण यानि पंडित मरण हो ये भावना हमेशा मन में रखनी चाहिए। सकाम मरण के लिए अंतिम समय आने से पहले संथारा ग्रहण करना होता है ओर भाव शुद्धि करनी होती है। अकाम मरण प्राप्त होने पर ये जीवन व्यर्थ हो जाते है ओर हम जन्म-जन्मान्तर के बंधन में जकड़े रहते है। उत्तराध्ययन आराधना के माध्यम से 13 नवम्बर तक उत्तराध्ययन सूत्र के 36 अध्यायों का वाचन पूर्ण किया जाएगा। मूल गाथा का उच्चारण करने के साथ उनका अर्थ भी समझाया जा रहा है।

IIID -JRC 2023-25 का इंस्टालेशन समारोह

जयपुर। IIID-JRC 2023-25 की नई समिति की पदग्रहण समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सचिव IIID आर्किटेक्ट शमिनी शंकर जैन, गेस्ट ऑफ़ ऑनर IIID NEC मेम्बर आर्किटेक्ट अंशुमन शर्मा शामिल हुए और नयी कार्यकारिणी को प्रोत्साहित कीया 1 गेस्ट स्पीकर इंजीनियर दिपेन गड़ा जी ने की-नोट स्पीच दी। समारोह में नए चयनित चेयरमैन आर्किटेक्ट आशीष काला ने सभी मेंबर्स को संबोधित किया और समिति के नए विकास की दृष्टि में विशेष रूप से शिक्षा, सामाजिक कल्याण, हरित पहल, और व्यापार सदस्यों के लिए दी जाने वाली दो-साल की साझेदारी के बारे में बात की 1पूर्व चेयरमैन आर्किटेक्ट शीतल कुमार अग्रवाल ने नई कार्यकारिणी को शुभकामना प्रेषित करी, आर्किटेक्ट मनीष ठाकुरिया ने गेस्ट और मेंबर्स को धन्यवाद प्रेषित किया।

शरद पूर्णिमा पर दुगार्पुरा की चंद्रप्रभं महिला मंडल ने किया जाप

जयपुर. शाबाश इंडिया। शरद पूर्णिमा के पावन दिवस 28 अक्टूबर पर चंद्रप्रभ महिला मंडल दुगार्पुरा के द्वारा चंद्र प्रभ भगवान के जाप किये गये। अध्यक्ष रेखा लुहाड़िया,मंत्री रानी सोगानी के अनुसार आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज 77वे व आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी के 90वे अवतरण दिवस तथा शरद पूर्णिमा के पावन दिवस पर मंडल द्वारा दुगार्पुरा मंदिर की छत पर पूर्ण चंद्रमा की चांदनी में ये जाप किये गए।

महामण्डलेश्वर परमपूज्यपाद स्वामी अवधूत बाबा अरुण गिरी जी महाराज की राज्यपाल से भेट

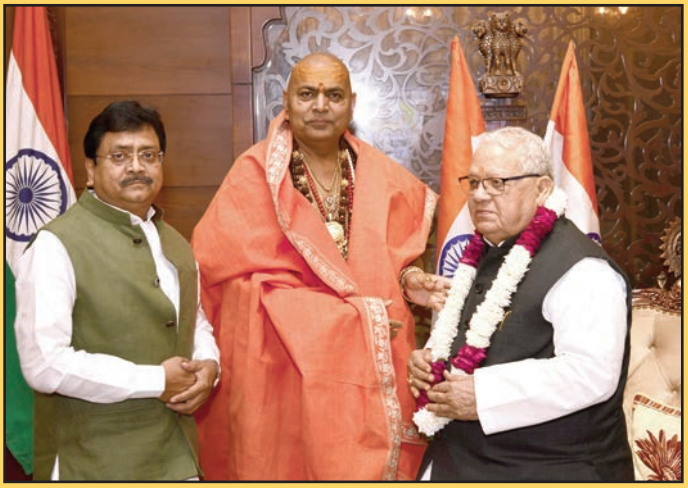

जयपुर. शाबाश इंडिया। अनंत श्री विभूषित श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ श्रीमत्परमहंस परिव्रजकाचार्य श्री श्री 1008 आवाहन पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर परमपूज्यपाद स्वामी अवधूत बाबा अरुण गिरी जी महाराज (एनवायरनमेंट बाबा) श्री पंच दश नाम आवाहन अखाड़ा आज दिनांक - 28 अक्टूबर को राज्यपाल महोदय महामहिम कलराज मिश्र से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर यज्ञ पर्यावरण, सनातन धर्म, एवं आयुर्वेद पर चर्चा हुई।इस अवसर पर डॉ निर्मल जैन - सदस्य राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद भारत सरकार भी उपस्थित रहे।

नेट थियेट पर कथक ने समां बांधा

ताल तीन ताल में कथक की शानदार प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेट थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में कथक नृत्याभिनय में सुप्रसिद्ध नृत्याँगना नमिता जैन और उनके शिष्यों द्वारा भावपूर्ण जयपुर कथक की प्रस्तुति पर दर्शक वाह वाह कर उठे । नेट थियेट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि इस वेब की परिकल्पना अनिल मारवाड़ी द्वारा की गई ।इसी आभासी रंगमंच पर आज नमिता जैन ने राग दरबारी में स्वामी हरिदास द्वारा रचित कृष्ण वंदना ''नागर नट निरत करत'' पर ताल चौताल में कथक की प्रस्तुति से मंत्र मुग्ध किया ।इसके बाद उनकी शिष्य कत्थक कलाकार सिद्धि जैन, नव्या जाखड़ वान्या परचानी और मान्या खरबंदा ने ताल तीन ताल में शुद्ध कथक थाट, आमद, परण, तोड़े, चक्कर, तत्कार आदि की सुन्दर प्रस्तुति से जयपुर कथक की बारीकियों से रूबरू करवाया।कलाकारों के नृत्य में भाव लयकारी ताल और भाव की सुन्दर झलक देखने को मिली। इनके साथ गायन पर पं.रमेश मेवाल, पढंत पर पं.कौशल कान्त, पखावज पर युवराज सिंह और तबले पर आदित्य सिंह ने असरदार संगत कर कथक की परंपरा को परवान चढ़ाया। सञ्चालन मनोज स्वामी, संगीत सागर गढ़वाल, दृश्य सज्जा जीवितेश शर्मा एवं अंकित शर्मा, कार्यक्रम का संयोजन नवल डांगी ।

दो दिवसीय कूकस का वार्षिक मेला शुरू

कूकस. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चन्द्रप्रभु जी कूकस का दो दिवसीय वार्षिक मेला शनिवार को चन्द्र प्रभु विधान पूजा के साथ प्रारंभ हुआ। रात्रि मे हुई भक्ति संध्या मे जयपुर के वरिष्ठ भजन गायक पूनम चंद गोधा ने शास्त्रीय संगीत पर आधारित भजन प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। शरद पूर्णिमा पर पूरी रात चले कार्यक्रम में अशोक पांडया, सुनील पांडया, मीनू सौगानी, आयुष पांडया व श्री वीर संगीत मंडल के कलाकार अशोक गंगवाल सुभाष बज व विमल पाटनी ने अपनी भजन प्रस्तुतियां दी। क्षेत्र के मंत्री प्रदीप गोधा ने बताया कि वार्षिक मेले के दूसरे दिन आज रविवार दिनांक 29 अक्टूबर को प्रातः 9.15 बजे साजों से 24 तीर्थंकर पूजन श्री वीर संगीत मंडल द्वारा कराई जाएगी। इसके बाद दोपहर 3.15 श्री जिनेन्द्र भगवान के कलशाभिषेक होंगे। कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र गोधा ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवेक कला एवं अध्यक्ष सुभाष पाटनी (स्वप्न लोक रिजॉर्ट) होंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अनिल दीवान, महेश काला (राष्ट्रीय मंत्री अखिल भारतीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी) व पारस पाटनी (पार्षद) होंगे। तत्पश्चात सामुहिक गोठ व आरती के साथ मेले का समापन होगा।

स्नातक परिषद-पंचम सत्र

पिताजी सुबह उठकर तुम्हे दो थप्पड़ मारते है, लाते मारते है, और कहूँ कि जूते मारते है उस समय भी तुम उनके पैर छू लोगे जाओ दुनिया मे कोई तुम्हारा बाल बांका नही कर पायेगा : निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

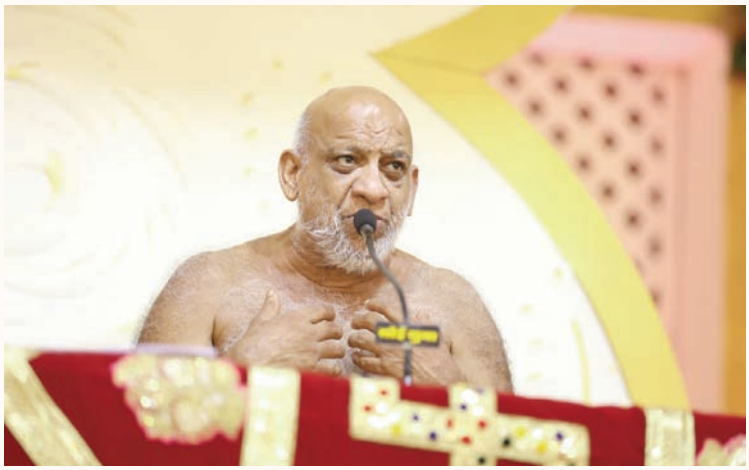

आगरा. शाबाश इंडिया

28 अक्टूबर को आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के तत्वावधान में तीन दिवसीय स्नातक परिषद अधिवेशन एवं युवा परिषद संगोष्ठी का आयोजन चल रहा थो जिसके अंतिम दिन शरद पुर्णिमा के अवसर पर धरती के भगवान संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस पर श्रमण संस्कृति संस्थान के युवा विद्वानों ने संगीतमय होकर भक्ति का समां बांध दिया। जैन धर्म की शान आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के 77वें अवतरण दिवस पर आयोजित हुए तीन दिवसीय स्नातक सम्मेलन का समापन हुआ और इस पावन बेला में श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति के पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान हुआ। भक्ति के इस क्रम में श्रमण संस्कृति संस्थान के वर्ष 1997 से लेकर वर्तमान तक के बैच के स्नातक विद्वानों ने श्रमण संस्कृति के जनक मुनिपुगंवश्री को अर्घ्य अर्पित कर वंदन कियो तत्पश्चात बाहर से आए हुए गुरुभक्तों ने मुनिश्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त कियो इसके बाद मुनिपुगंव श्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाग्य की जब तुम्हारे अंदर तीन बातें आवे तो समझ लेना तुम्हारा बहुत बड़ा अशुभ दिन शुरू हो गया। पहला तो सबसे बड़ा अपशगुन है कार्य शुरू करने के पहले, जिंदगी शुरू करने के पहले, प्रातःकाल उठने के पहले, जन्मदिन मनाते समय, नववर्ष या जिसे आप माह का प्रारंभ मानते है उस समय होगा वही जो होना है होगा ऐसा विचार आ गया निश्चित आपकी जिंदगी का अपशगुन हो गया। सारे अपशगुन टाले जा सकते है लेकिन यदि ये परिणाम आ गया तो वह कार्य तुमसे होगा ही नही। दूसरा है भगवान भरोसे, बड़ो के भरोसे। बड़ो की कृपा हो जाये, भगवान की कृपा हो जाये तो ये कार्य हो सकता है, आपने खुद अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली, बड़े भी फैल हो जायेगे। बड़ो से आशीर्वाद उनका नाम लेना अलग चीज है। बडे मेरा कार्य कर देवे, वो भगवान, गुरु, माँ-बाप कोई भी हो सकता है। किसी बालक को ये भाव आ गया- माता-पिता की वसीयत मुझे मिल जाये, बहुत सम्पत्ति है तो मेरी जिदंगी में सुख हो जाएगा समझ लेना तुम्हारी पूरी जिंदगी रोते हुए गुजरेगी। बड़ो से कभी कुछ भी कराने का भाव, ये कार्य मेरा बड़ा कर देगे तो हमारा कार्य हो जाएगा, ये दूसरा अपशगुन अपनी जिंदगी में कभी मत आने देना। बड़ो से कभी अपने कार्य नही कराना, हो सके तो बड़ो के सारे कार्य तुम्हे करना है ये शगुन है। आप भोजन करने जा रहे हो थोड़ा किसी बड़े को, अपने माँ-बाप को एक ग्रास अपने हाथ से खिला देना, परोस देना वो प्रसाद बन जायेगा। जैनदर्शन में साधु को आहार देकर भोजन करने की परंपरा क्या है। जो कार्य भोजन के बाद करना है वही भोजन तुम महाराज को देकर करोगे, तो तुम्हारा वह भोजन जो बाद में खाओगे वह प्रसाद के समान ईनरजिस्ट हो जाता है, उसकी एनर्जी बहुत बढ़ जाती है क्योंकि तुमने इसमे से पहले महाराज को दिया है। धर्म के लिए बड़ो के लिए बचा हुआ देना भिखारी को दिया जाता है और भोगने के पहले देना भिक्षुक को दिया जाता है। हर चीज में यही लगाना, समय बचेगा तो मन्दिर चले जायेंगे, समय बचेगा तो माँ-बाप की सेवा कर लेंगे महानुभाव बहुत बड़ा दोष है समय बचेगा तो तुमने धर्म का सबसे बड़ा अपमान किया है। यानी दुनिया मे सबसे बेकार चीज है धर्म जो समय बचेगा तो कर लेंगे। अरे धर्म वो अनमोल चीज है कि दुनिया के लिए समय

बचेगा तो दे देंगे पहले हम धर्म करेगे, ये धर्म का सम्मान है। पहले हम मन्दिर बनायेगे, बचा रहेगा तो मकान बनायेगे। पहले हम स्वाध्याय करेगे, 5 मिनिट सही, 2 मिनिट, 1 मिनिट करेगे, चलो कुछ नही करेगे तो जिनवाणी माँ का दर्शन करेगे, पहले जिनवाणी है बाद में दुनिया है। तीसरा अपशगुन कभी मत करना भाग्य भरोसे, मेरी किस्मत में जो लिखा है वही होगा। कब कार्य प्रारंभ के समय, सुबह उठते समय, शुभ कार्य के समय। पॉजिटिव नही पावर थिंकिंग- अब वही होगा जो मैं करूँगा,वही जीऊँगा जो जिंदगी मुझे जीना है, वही बनूँगा जो मुझे बनना है, वही देखूँगा जो मुझे देखना है, सब कुछ मेरे हाथ मे है। भगवान के हाथ मे नही, किस्मत के हाथ मे नही, बड़ो के हाथ मे नही। जैनी कभी बासा भाग्य नही खाता। इस अधिवेशन में प्रदीप जैन पीएनसी, निर्मल मोठ्या, मनोज बाकलीवाल नीरज जैन, पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा, जगदीश प्रसाद जैन, अमित जैन बॉबी, राजेश सेठी, विवेक बैनाड़ा, मीडिया प्रभारी शुभम जैन, नरेश जैन, सुरेन्द्र पांडया, अंकेश जैन,राहुल जैन, समस्त आगरा सकल जैन समाज बड़ी संख्या में गुरुभक्त को उपस्थित रहे।

रिपोर्ट मीडिया प्रभारी शुभम जैन आगरा

मार्ग तो सब देते हैं मोक्ष मार्ग गुरुओं से ही मिलता हैं : आचार्य श्री आर्जव सागर जी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

हम लोग गुरु का गुणगान करके अपने आपको कृत कृत्य मान लेते हैं मार्ग तो सब देते हैं मोक्ष मार्ग गुरुओं के माध्यम से ही प्राप्त होता है गुरुओं की बातों को ध्यान से सुनकर अपने जीवन में उतार लेता है वहीं सच्चा श्रोता है ।जब भी आपको गुरुओ की वाणी सुनने को मिले तो ध्यान से सुनकर अत्म सात करते रहना चाहिए। हम कोशिश करते रहे तो जीवन में सफलता जरूर मिलेगी कोशिश करने वालों की हार नहीं होती असफलता में ही सफलता का मार्ग छुपा है। सफलता ये दर्शा रही है कि आपने कोशिश तो की है लेकिन पुरी एकाग्रता नहीं थी यदि एकाग्रता होती तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता रूकना ही बता रहा है कि अभी और प्रयास करना है संसार मे ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है जिसे ये भव्य आत्मा प्राप्त ना कर सके अर्थात संसार का सुख क्या सच्चा आत्मा के सुख

को भी प्राप्त कर सकता है करता ही है उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के 77वे अवतरण दिवस पर विशेष धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। समारोह के प्रारंभ में आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, संयोजक उमेश सिघई, प्रमोद मंगलदीप ने किया। मंगलाचरण के बाद संचालन करते हुए युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि आज बहुत विशेष दिन है आज रात्रि में भी दिन जैसा उजाला देखने को मिलेगा ऐसे पावन दिवस पर एक और चन्द्रमा का जन्म हुआ जो जगत में सूर्य की भांति प्रकाश दे रहे हैं समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल ने कहा कि आज हम सब मिलकर आचार्य भगवंत की पूजा करने जा रहे हैं । पूजन के साथ ही अपनी भक्ति गुरु चरणों में समर्पित करेंगे। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि इस युग का सौभाग्य है कि इस युग में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का जन्म हुआ और हम सब का सौभाग्य है कि हम आचार्य श्री के युग में जन्मे सौ पचास साल पहले या बाद में जन्मते तो यह सब हम शास्त्रो में पड़ते हमें उनकी निकटता का सौभाग्य प्राप्त हुआ वहीं जैन समाज के महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज की कृपा हमेशा हमारे नगर पर रहीं हैं उनके आशीर्वाद से यहां हमें हमेशा सत्संग का सौभाग्य मिलता रहता है।